चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	5.6.21	4	3-5

'उन्नत किस्मों के विकास के साथ जल संरक्षण एवं खरपतवार प्रबंधन समय की मांग : प्रो. काम्बोज'

हिसार, 4 जून (पंकेस): वर्तमान समय की भौगोलिक परिस्थितियों और जलवायु परिवर्तन को ध्यान में रखते हुए वैज्ञानिक जल संरक्षण और खरपतवार प्रबंधन पर विशेष ध्यान दें। साथ ही विभिन्न फसलों की पैदावार बढ़ाने के लिए किसान हितैषी आधुनिक तकनीकों का विकास करें। ये बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. का बोज ने कही।

वे विश्वविद्यालय के आनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के दलहन अनुभाग के अनुसंधान क्षेत्र का दौरा करने के उपरांत वैज्ञानिकों से रूबरू हो रहे थे। इस दौरान उन्होंने बसंत एवं ग्रीष्मकालीन मूंग की विभिन्न किस्मों के प्रयोगों का भी अवलोकन किया। कुलपति ने मूंग की उन्नत किस्मों को विकसित करने के लिए विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की सराहना करते हुए कहा कि जलवायु परिवर्तन और मिट्टी की समस्याओं से निपटने के लिए मूंगबीन प्रजनन कार्यक्रम को और बढ़ाने के लिए जर्मप्लाज्म में विभिन्न प्रकार के जीनोटाइप का उपयोग किया जा सकता है। इसके अलावा उन्होंने बेहतर उत्पादन के लिए अंत : विषय दृष्टिकोण को प्रभावी ढंग से अपनाने पर भी जोर दिया और टीम को खरपतवार प्रबंधन, कीट नियंत्रण और जल बचत की आधुनिक तकनीकों के उपयोग की सलाह दी। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे फील्ड में किसानों के सामने आने वाली समस्याओं के समाधान व उनकी आय में बढ़ौतरी को ध्यान में रखकर शोध कार्यों को आगे बढ़ाएं।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज अपने दौरे के दौरान वैज्ञानिकों से बातचीत करते हुए।

कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय में भारत के मूंग-प्रजनन के प्रमुख केंद्रों में से एक केंद्र है, जिसे मूंग की उच्च उपज देने वाली किस्मों के विकास में उत्कृष्ट योगदान के लिए सर्वश्रेष्ठ केंद्र का पुरस्कार मिल चुका है। डॉ. राजेश यादव ने मूंग प्रजनन कार्यक्रम के विभिन्न प्रयोगों, प्रजनन सामग्री और उन्नत जीनोटाइप के बारे में बताया। इस अवसर पर अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत, सहायक अनुसंधान निदेशक डॉ. नीरज, प्रोजेक्ट डायरेक्टर डॉ. सतीश खोखर सहित दलहन विभाग अनुभाग के संकाय सदस्य भी उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	5-6-21	9	4-6

जल संरक्षण बड़ी चुनौतीः कंबोज

- एचएयू कुलपति फार्म में फसलों का निरीक्षण किया

हरिभूमि न्यूज ⏩हिसार

हिसार। वैज्ञानिकों से बातचीत करते हकृवि कुलपति बीआर काम्बोज।

वर्तमान समय की भौगोलिक परिस्थितियों और जलवायु परिवर्तन को ध्यान में रखते हुए वैज्ञानिक जल संरक्षण और खरपतवार प्रबंधन पर विशेष ध्यान दें। साथ ही विभिन्न फसलों की पैदावार बढ़ाने के लिए किसान हितैषी आधुनिक तकनीकों का विकास करें। यह बात हरि[illegible]ा कृषि विश्वविद्यालय के कुल[illegible]ोफेसर बी.आर. काम्बोज ने क[illegible] वे विश्वविद्यालय के आनुवंशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के दलहन अनुभाग के अनुसंधान क्षेत्र का दौरा करने के उपरांत वैज्ञानिकों से रूबरू हो रहे थे। इस दौरान उन्होंने बसंत एवं ग्रीष्मकालीन मूंग की . विभिन्न किस्मों के प्रयोगों का भी अवलोकन किया। कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय में भारत के मूंग-प्रजनन के प्रमुख केंद्रों में से एक केंद्र है, जिसे मूंग की उच्च उपज देने वाली किस्मों के विकास में उत्कृष्ट योगदान दिया है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिन्दुस्तान समाचार	04.06.2021		

हिन्दुस्थान समाचार

हिसार: एचएयू कुलपति ने लिया बीज उत्पादन के लिए बोई गई फसलों का जायजा

-ओले, उन्नत किस्मों के विकास के साथ जल संरक्षण एवं खरपतवार प्रबंधन समय की मांग

हिसार, 04 जून (हि.स.)। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर कंबोज ने कहा है कि वर्तमान समय की भौगोलिक परिस्थितियों और जलवायु परिवर्तन को ध्यान में रखते हुए वैज्ञानिक जल संरक्षण और खरपतवार प्रबंधन पर विशेष ध्यान दें। साथ ही विभिन्न फसलों की पैदावार बढ़ाने के लिए किसान हितैषी आधुनिक तकनीकों का विकास करें। कुलपति प्रो. कंबोज शुक्रवार को विश्वविद्यालय के आनुवंशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के दलहन अनुभाग के अनुसंधान क्षेत्र का दौरा करने के उपरांत वैज्ञानिकों से रूबरू हो रहे थे।

इस दौरान उन्होंने बसंत एवं ग्रीष्मकालीन मूंग की विभिन्न किस्मों के प्रयोगों का भी अवलोकन किया। कुलपति ने मूंग की उन्नत किस्मों को विकसित करने के लिए विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की सराहना करते हुए कहा कि जलवायु परिवर्तन और मिट्टी की समस्याओं से निपटने के लिए मूंग प्रजनन कार्यक्रम को और बढ़ाने के लिए जर्मप्लाज्म में विभिन्न प्रकार के जीनोटाइप का उपयोग किया जा सकता है। इसके अलावा उन्होंने बेहतर उत्पादन के लिए अंतःविषय दृष्टिकोण को प्रभावी ढंग से अपनाने पर भी जोर दिया और टीम को खरपतवार प्रबंधन, कीट नियंत्रण और जल बचत की आधुनिक तकनीकों के उपयोग की सलाह दी। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे फील्ड में किसानों के सामने आने वाली समस्याओं के समाधान व उनकी आय में बढ़ोतरी को ध्यान में रखकर शोध कार्यों को आगे बढ़ाएं। इस अवसर पर अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत, सहायक अनुसंधान निदेशक डॉ. नीरज, प्रोजेक्ट डायरेक्टर डॉ. सतीश खोखर सहित दलहन विभाग अनुभाग के संबंध सदस्य भी उपस्थित थे।

हिन्दुस्थान समाचार/राजेश्वर/संजीव

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
विपेज ईरा	**04.06.2021**	--	--

HAU will select two progressive farmers from every village of the state

by - Village Ira on - June 03, 2021

> **Programs will be organized at the district level for the information about the techniques and different crops developed by Haryana Agricultural University.**

> **In the online monthly review meeting of the in-charges of Krishi Vigyan Kendras, HAU Vice Chancellor Professor BR. Kamboj**

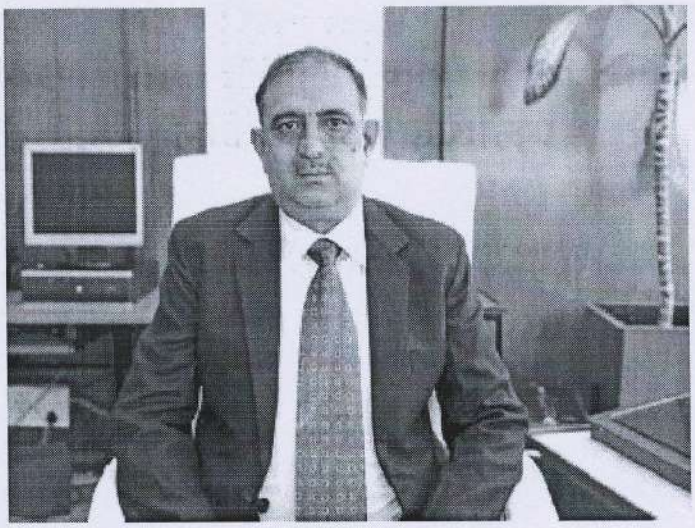

Village Ira. Sandeep Kamboj Hisar. Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University will organize district level programs at each Krishi Vigyan Kendra and at the block level of each district at least two progressive farmers from each village will be involved so that other farmers can be encouraged. (HAU will select tw progressive farmers from every village of the state) HAU Vice Chancellor Prof. B.R. Kamboj was addressing the monthly review meeting of in charges of all Krishi Vigyan Kendras of the university through online medium. He said that farmers would be made aware about this by setting up model units of Integrated Farming System at all Krishi Vigyan

Kendras. With this, farmers can get more income from even the smallest holding. Without this, farmers will be able to get more and more knowledge of agricultural diversification and adopt them in their fields as well. He also called upon the farmers to make them aware about crop residue management and also to provide them with related machinery if needed. He said that the overall recommendations issued by the University should be disseminated to maximum number of farmers so that maximum farmers can be benefitted. He said that in future also, they should reach more and more information about the techniques developed by the university and the improved varieties of different crops to the farmers so that the farmers can be benefitted and the university should continue to move towards its farmer-friendly goal.

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	04.06.2021	--	--

कुलपति ने बीज उत्पादन के लिए बोई फसलों का लिया जायजा

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। वर्तमान समय की भौगोलिक परिस्थितियों और जलवायु परिवर्तन को ध्यान में रखते हुए वैज्ञानिक जल संरक्षण और खरपतवार प्रबंधन पर विशेष ध्यान दें। साथ ही विभिन्न फसलों की पैदावार बढ़ाने के लिए किसान हितैषी आधुनिक तकनीकों का विकास करें। ये बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज ने कही। वे दलहन अनुभाग के अनुसंधान क्षेत्र का दौरा करने के उपरांत वैज्ञानिकों से रूबरू हो रहे थे। इस दौरान उन्होंने बसंत एवं ग्रीष्मकालीन मूंग की विभिन्न किस्मों के प्रयोगों का भी अवलोकन किया। कुलपति ने मूंग की उन्नत किस्मों को विकसित करने के लिए

विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की सराहना करते हुए कहा कि जलवायु परिवर्तन और मिट्टी की समस्याओं से निपटने के लिए मूंगबीन प्रजनन कार्यक्रम को और बढ़ाने के लिए जर्मप्लाज्म में विभिन्न प्रकार के जीनोटाइप का उपयोग किया जा सकता है। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे फील्ड में किसानों के सामने आने वाली समस्याओं के समाधान व उनकी आय में बढ़ोतरी को ध्यान में रखकर शोध कार्यों को आगे बढ़ाएं। इस अवसर पर डॉ. एस.के. सहरावत, डॉ. नीरज, डॉ. सतीश खोखर सहित दलहन विभाग अनुभाग के संकाय सदस्य भी उपस्थित थे।

भारत के सर्वश्रेष्ठ मूंग-प्रजनन केंद्र का मिल चुका है अवार्ड

कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय में भारत के मूंग-प्रजनन के प्रमुख केंद्रों में से एक केंद्र है, जिसे मूंग की उच्च उपज देने वाली किस्मों के विकास में उत्कृष्ट योगदान के लिए सर्वश्रेष्ठ केंद्र का पुरस्कार मिल चुका है। यह भारत के उपराष्ट्रपति एम वैंकैया नायडू द्वारा प्रदान किया गया। वैज्ञानिकों ने अब तक अपने अथक प्रयासों से दलहनी फसलों की 33 किस्मों का विकास किया है। इन किस्मों में विभिन्न मौसम के अनुसार खेती के लिए मूंग की छह उच्च उपज देने वाली रोग प्रतिरोधी किस्में आशा, मुत्थान, सत्य, बसंती, एमएच 421 और एमएच 318 शामिल हैं। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता एवं आनुवंशिकी और पादप प्रजनन विभाग के अध्यक्ष डॉ. ए.के. छाबड़ा ने कुलपति का स्वागत किया और दलहन अनुसंधान फार्म में चल रहे विभिन्न बीज/बसंत मूंग अनुसंधान परीक्षणों के बारे में जानकारी दी। डॉ. राजेंद्र यादव ने मूंग प्रजनन कार्यक्रम के विभिन्न प्रयोगों, प्रजनन सामग्री और उन्नत जीनोटाइप के बारे में बताया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठकपक्ष	04.06.2021	--	--

उन्नत किस्मों के विकास के साथ जल संरक्षण एवं खरपतवार प्रबंधन समय की मांग : प्रो. बी.आर. काम्बोज

एचएयू कुलपति ने विश्वविद्यालय के बीज उत्पादन के लिए बोई गई फसलों का लिया जायजा

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 4 जून : वर्तमान समय की भौगोलिक परिस्थितियों और जलवायु परिवर्तन को ध्यान में रखते हुए वैज्ञानिक जल संरक्षण और खरपतवार प्रबंधन पर विशेष ध्यान दें। साथ ही विभिन्न फसलों की पैदावार बढ़ाने के लिए किसान हितैषी आधुनिक तकनीकों का विकास करें। ये बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कही। वे विश्वविद्यालय के आनुवंशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के दलहन अनुभाग के अनुसंधान क्षेत्र का दौरा करने के उपरांत वैज्ञानिकों से रूबरू हो रहे थे। इस दौरान उन्होंने बसंत एवं ग्रीष्मकालीन मूंग की विभिन्न किस्मों के प्रयोगों का भी अवलोकन किया। कुलपति ने मुंग की उन्नत किस्मों को विकसित करने के लिए विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की सराहना करते हुए कहा कि जलवायु परिवर्तन और मिट्टी की समस्याओं से निपटने के लिए मूंगबीन प्रजनन कार्यक्रम को और बढ़ाने के लिए जर्मप्लाज्म में विभिन्न प्रकार के जीनोटाइप का उपयोग किया जा सकता है। इसके अलावा उन्होंने बेहतर उत्पादन के लिए अंत:विषय दृष्टिकोण को प्रभावी ढंग से अपनाने पर भी जोर दिया और टीम को खरपतवार प्रबंधन, कीट नियंत्रण और जल बचत की आधुनिक तकनीकों के उपयोग की सलाह दी। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे फील्ड में किसानों के सामने आने वाली समस्याओं के समाधान व उनकी आय में बढ़ोतरी को ध्यान में रखकर शोध कार्यों को आगे बढ़ाएं। कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय में भारत के मूंग-प्रजनन के प्रमुख केंद्रों में से एक केंद्र है, जिसे मूंग की उच्च उपज देने वाली किस्मों के विकास में उत्कृष्ट योगदान के लिए सर्वश्रेष्ठ केंद्र का पुरस्कार मिल चुका है। यह भारत के माननीय उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू द्वारा प्रदान किया गया। वैज्ञानिकों ने अब तक अपने अथक प्रयासों से दलहनी फसलों की 33 किस्मों का विकास किया है। इन किस्मों में विभिन्न मौसम के अनुसार खेती के लिए मूंग की छह उच्च उपज देने वाली रोग प्रतिरोधी किस्में आशा, मुस्कान, सत्य, बसंती, एमएच 421 और एमएच 318 शामिल हैं। ये किस्में राज्य के साथ-साथ देश भर में भी अत्यधिक लोकप्रिय हैं। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता एवं आनुवंशिकी और पादप प्रजनन विभाग के अध्यक्ष डॉ. ए.के. छाबड़ा ने कुलपति का स्वागत किया और दलहन अनुसंधान फार्म में चल रहे विभिन्न ग्रीष्म/बसंत मूंग अनुसंधान परीक्षणों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मूंग की एमएच 421 किस्म वर्तमान में देश की सबसे लोकप्रिय किस्म है, जो देश के कुल मूंग क्षेत्र के लगभग 23-24 प्रतिशत क्षेत्र को कवर करती है। बीज उत्पादन रिकॉर्ड के अनुसार अब यह किस्म भारत में विभिन्न मौसमों में 10 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में उगाई जाती है। इस किस्म के आने के बाद देश के विभिन्न हिस्सों मुख्य रूप से राजस्थान में मुंग के क्षेत्र के साथ-साथ उत्पादन में भी बढ़ोतरी हुई है और देश में दालों का कुल उत्पादन बढ़ा है। डॉ. राजेश यादव ने मूंग प्रजनन कार्यक्रम के विभिन्न प्रयोगों, प्रजनन सामग्री और उन्नत जीनोटाइप के बारे में बताया। इस अवसर पर अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत, सहायक अनुसंधान निदेशक डॉ. नीरज, प्रोजेक्ट डायरेक्टर डॉ. सतीश खोखर सहित दलहन बिभाग अनुभाग के संकाय सदस्य भी उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	5.6.21	3	8

प्रो. काम्बोज बोले-जल संरक्षण एवं खरपतवार प्रबंधन समय की मांग

जागरण संवाददाता, हिसार : वर्तमान समय की भौगोलिक परिस्थितियों और जलवायु परिवर्तन को ध्यान में रखते हुए वैज्ञानिक जल संरक्षण और खरपतवार प्रबंधन पर विशेष ध्यान दें। साथ ही विभिन्न फसलों की पैदावार बढ़ाने के लिए किसान हितैषी आधुनिक तकनीकों का विकास करें। ये बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने कही। वे विश्वविद्यालय के आनुवंशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के दलहन अनुभाग के अनुसंधान क्षेत्र का दौरा करने के उपरांत वैज्ञानिकों से रूबरू हो रहे थे। इस दौरान उन्होंने बसंत एवं ग्रीष्मकालीन मूंग की विभिन्न किस्मों के प्रयोगों का भी अवलोकन किया। कुलपति ने मुंग की उन्नत किस्मों को विकसित करने के लिए विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की सराहना करते हुए कहा कि जलवायु परिवर्तन और मिट्टी की समस्याओं से निपटने के लिए मूंगबीन प्रजनन कार्यक्रम को और बढ़ाने के लिए जर्मप्लाज्म में विभिन्न प्रकार के जीनोटाइप का उपयोग किया जा सकता है। इसके अलावा उन्होंने बेहतर उत्पादन के लिए अंतःविषय दृष्टिकोण को प्रभावी ढंग से अपनाने पर भी जोर दिया और टीम को खरपतवार प्रबंधन, कीट नियंत्रण और जल बचत की आधुनिक तकनीकों के उपयोग की सलाह दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	5.6.21	2	7-8

कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर में लगाया वैक्सीनेशन कैंप

हिसार | चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय सहित प्रदेश के हर जिले में स्थापित अनुसंधान एवं कृषि विज्ञान केंद्रों पर मेगा वैक्सीनेशन कैम्प लगाए जा रहे हैं।

कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर में गुरुवार को मेगा वैक्सनीशेन कैंप आयोजित किया गया, जिसमें वीसी प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने बतौर मुख्यातिथि उपस्थित होकर जायजा लिया। इस दौरान कोरोना जांच शिविर भी लगाया। वीसी ने ग्रामीणों का हालचाल पूछने के बाद कहा कि इस लोगों को ज्यादा से ज्यादा टीकाकरण करवाना चाहिए। केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का जैसे दो गज की दूरी, मास्क व सेनेटाइजेशन का विशेष ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने कृषि विज्ञान केंद्र के स्टाफ सदस्यों से आह्वान किया कि वे टीकाकरण के लिए उनके क्षेत्र के ज्यादा से ज्यादा किसानों, युवाओं व महिलाओं को जागरूक करें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	5.6.21	4	4-5

जल संरक्षण एवं खरपतवार प्रबंधन समय की मांग : प्रो. बीआर कांबोज

हिसार (ब्यूरो)। वर्तमान समय की भौगोलिक परिस्थितियों और जलवायु परिवर्तन को ध्यान में रखते हुए वैज्ञानिक जल संरक्षण और खरपतवार प्रबंधन पर विशेष ध्यान दें। साथ ही विभिन्न फसलों की पैदावार बढ़ाने के लिए किसान आधुनिक तकनीकों का विकास करें। ये बात चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने कही। वे विश्वविद्यालय के आनुवंशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के दलहन अनुभाग के अनुसंधान क्षेत्र का दौरा करने के उपरांत वैज्ञानिकों से रूबरू हो रहे थे। इस दौरान उन्होंने बसंत एवं ग्रीष्मकालीन मूंग की विभिन्न किस्मों के प्रयोगों का भी अवलोकन किया। कुलपति ने मूंग की उन्नत किस्मों को विकसित करने के लिए विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की सराहना करते हुए कहा कि जलवायु परिवर्तन और मिट्टी की समस्याओं से निपटने के लिए मूंग प्रजनन कार्यक्रम को और बढ़ाने के लिए जर्मप्लाज्म में विभिन्न प्रकार के जीनोटाइप का उपयोग किया जा सकता है। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे फील्ड में किसानों के सामने आने वाली समस्याओं के समाधान व उनकी आय में बढ़ोतरी को ध्यान में रखकर शोध कार्यों को आगे बढ़ाएं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	04.06.2021	--	--

कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर में लगाया वैक्सीनेशन कैंप

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर में मेगा वैक्सीनेशन कैंप आयोजित किया गया, जिसमें कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज ने उपस्थित होकर जायजा लिया। इस दौरान कोरोना जांच शिविर भी लगाया गया। उन्होंने कृषि विज्ञान केंद्र के स्टाफ सदस्यों से आह्वान किया कि वे टीकाकरण के लिए उनके क्षेत्र के ज्यादा से ज्यादा किसानों, युवाओं व

महिलाओं को जागरूक करें। कुलपति ने बताया कि कोरोना महामारी के दौरान भी अपना दायित्व समझते हुए अब तक विश्वविद्यालय कैंपस और बाहरी केंद्रों पर कुल 26 वैक्सीनेशन कैम्प आयोजित किए जा चुके हैं। इनमें सभी कृषि विज्ञान एवं अनुसंधान केंद्रों के इंचार्जों की ओर से केंद्र द्वारा गोद लिए गए नजदीकी गांवों के किसानों व केंद्र के कर्मचारियों को वैक्सीन लगाई गई है। साथ ही ज्यादा से ज्यादा किसानों को वैक्सीन लगवाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इस अवसर पर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चुली बागड़ियान के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. कर्ण, चीफ टैक्नीकल ऑफिसर दलीप सिंह, सूचना सहायक राजेश कुमार, एएनएम आशा वर्मा, नीलम, मुकेश, लैब टैक्नीशियन विक्रम सहित विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्र के स्टाफ सदस्य व ग्रामीण मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	4.06.21	---	

वैज्ञानिक जल संरक्षण और खरपतवार प्रबंधन पर विशेष ध्यान दें : कुलपति

हिसार/04 जून/रिपोर्टर

वर्तमान समय की भौगोलिक परिस्थितियों और जलवायु परिवर्तन को ध्यान में रखते हुए वैज्ञानिक जल संरक्षण और खरपतवार प्रबंधन पर विशेष ध्यान दें। साथ ही विभिन्न फसलों की पैदावार बढ़ाने के लिए किसान हितैषी आधुनिक तकनीकों का विकास करें। ये बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने कही। वे विश्वविद्यालय के आनुवंशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के दलहन अनुभाग के अनुसंधान क्षेत्र का दौरा करने के उपरांत वैज्ञानिकों से रूबरू हो रहे थे। इस दौरान उन्होंने बसंत एवं ग्रीष्मकालीन मूंग की विभिन्न किस्मों के प्रयोगों का भी अवलोकन किया। कुलपति ने मूंग की उन्नत किस्मों को विकसित करने के लिए विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की सराहना करते हुए कहा कि जलवायु परिवर्तन और मिट्टी की समस्याओं से निपटने के लिए मूंगबीन प्रजनन कार्यक्रम को और बढ़ाने के लिए जर्मप्लाज्म में विभिन्न प्रकार के जीनोटाईप का उपयोग किया जा सकता है। इसके अलावा उन्होंने बेहतर उत्पादन के लिए अंत:विषय दृष्टिकोण को प्रभावी ढंग से अपनाने पर भी जोर दिया और टीम को खरपतवार प्रबंधन, कीट नियंत्रण और जल बचत की आधुनिक तकनीकों के उपयोग की सलाह दी। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे फील्ड में किसानों के सामने आने वाली समस्याओं के समाधान व उनकी आय में बढ़ौतरी को ध्यान में रखकर शोध कार्यों को आगे बढ़ाएं। कुलपति काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय में भारत के मूंग प्रजनन के प्रमुख केंद्रों में से एक केंद्र है, जिसे मूंग की उच्च उपज देने वाली किस्मों के विकास में उत्कृष्ट योगदान के लिए सर्वश्रेष्ठ केंद्र का पुरस्कार मिल चुका है। यह भारत के उप राष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू द्वारा प्रदान किया गया। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता एवं आनुवंशिकी और पादप प्रजनन विभाग के अध्यक्ष डॉ. एके छाबड़ा ने बताया कि मूंग की एमएच 421 किस्म वर्तमान में देश की सबसे लोकप्रिय किस्म है, जो देश के कुल मूंग क्षेत्र के लगभग 23-24 प्रतिशत क्षेत्र को कवर करती है। बीज उत्पादन रिकॉर्ड के अनुसार अब यह किस्म भारत में विभिन्न मौसमों में 10 लाख हैक्टेयर क्षेत्र में उगाई जाती है। डॉ. राजेश यादव ने मूंग प्रजनन कार्यक्रम के विभिन्न प्रयोगों, प्रजनन सामग्री और उन्नत जीनोटाईप के बारे में बताया। इस अवसर पर अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावतए, सहायक अनुसंधान निदेशक डॉ. नीरज, प्रोजेक्ट डायरेक्टर डॉ. सतीश खोखर आदि उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे	04.06.2021	--	--

कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर में लगाया वैक्सीनशेन कैंप, कुलपति ने खुद लिया जायजा

कुलपति ने कहा- ज्यादा से ज्यादा ग्रामीणों को टीकाकरण के लिए करें प्रेरित

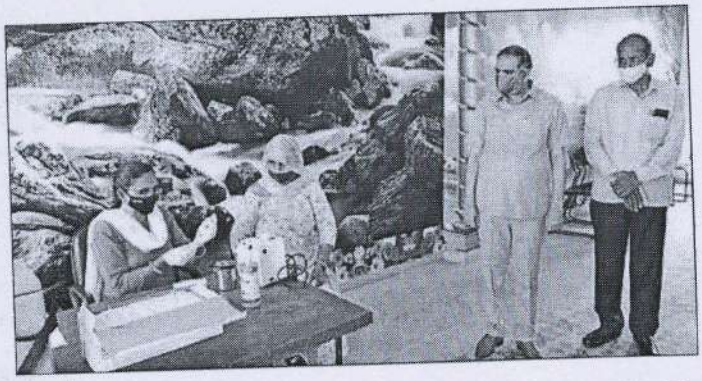

पांच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार सहित प्रदेश के प्रत्येक जिले में स्थापित अनुसंधान एवं कृषि विज्ञान केंद्रों पर मेगा वैक्सीनेशन कैम्प लगातार जारी हैं। कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर में गुरूवार को मेगा वैक्सनीशेन कैंप आयोजित किया गया, जिसमें स्वयं कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने बतौर मुख्यातिथि उपस्थित होकर जायजा लिया। इस दौरान कोरोना जांच शिविर भी लगाया गया। कुलपति ने इस दौरान ग्रामीणों का हालचाल पूछने के बाद कहा कि इस वैश्विक महामारी के दौरान लोगों को ज्यादा से ज्यादा टीकाकरण करवाना चाहिए। साथ ही केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का जैसे दो गज की दूरी, मास्क व सेनेटाइजेशन का विशेष ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने कृषि विज्ञान केंद्र के स्टाफ सदस्यों से आह्वान किया कि वे टीकाकरण के लिए उनके क्षेत्र के ज्यादा से ज्यादा किसानों, युवाओं व महिलाओं को जागरूक करें। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय सदैव किसानों व कर्मचारियों के हित के लिए समर्पित है। कोरोना महामारी के दौरान भी अपना दायित्व समझते हुए अब तक विश्वविद्यालय कैंपस और बाहरी केंद्रों पर कुल 26 वैक्सीनेशन कैम्प आयोजित किए जा चुके हैं। इनमें सभी कृषि विज्ञान एवं अनुसंधान केंद्रों के इंचार्जों की ओर से केंद्र द्वारा गोद लिए गए नजदीकी गांवों के किसानों व केंद्र के कर्मचारियों को वैक्सीन लगाई गई है। साथ ही ज्यादा से ज्यादा किसानों को वैक्सीन लगवाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

महिलाओं व युवाओं की भागीदारी सराहनीय : डॉ. रामनिवास

विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रामनिवास ने बताया कि कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर पर वैक्सीनेशन कैंप व जांच शिविर का आयोजन सामान्य अस्तपाल व प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चुली बागड़ियान के सहयोग से किया गया। इस दौरान 18 से 44 आयुवर्ग व 45 वर्ष से अधिक आयुवर्ग के लोगों के कोरोना की जांच व टीकाकरण किया गया। इस दौरान महिलाओं व युवाओं की भागीदारी सराहनीय रही। केंद्र के इंचार्ज डॉ. नरेंद्र कुमार ने बताया कि आसपास के गांवों के किसानों, महिलाओं व युवाओं को इस बारे में लगातार जागरूक किया जा रहा है। कैंप के दौरान सामाजिक दूरी, मास्क व सेनेटाइजेशन का विशेष ध्यान रखा गया। इस अवसर पर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चुली बागड़ियान के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. कर्ण, चीफ टैक्नीकल ऑफिसर दलीप सिंह, सूचना सहायक राजेश कुमार, एएनएम आशा वर्मा, नीलम, मुकेश, लैब टैक्नीशियन विक्रम सहित विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्र के स्टाफ सदस्य व ग्रामीण मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा	04.06.2021	—	—

कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर के वैक्सीनशेन कैंप का कुलपति ने लिया जायजा

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार सहित प्रदेश के प्रत्येक जिले में स्थापित अनुसंधान एवं कृषि विज्ञान केंद्रों पर मेगा वैक्सीनेशन कैम्प लगातार जारी हैं। कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर में गुरुवार को मेगा वैक्सनीशेन कैंप आयोजित किया गया, जिसमें स्वयं कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बतौर मुख्यातिथि उपस्थित होकर जायजा लिया। इस दौरान कोरोना जांच शिविर भी लगाया गया। कुलपति ने इस दौरान ग्रामीणों का हालचाल पूछने के बाद कहा कि इस वैश्विक महामारी के दौरान लोगों को ज्यादा से ज्यादा टीकाकरण करवाना चाहिए। साथ ही केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का जैसे दो गज की दूरी, मास्क व सेनेटाइजेशन का विशेष ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने कृषि विज्ञान केंद्र के स्टाफ सदस्यों से आह्वान किया कि वे टीकाकरण के लिए उनके क्षेत्र के ज्यादा से ज्यादा किसानों, युवाओं व महिलाओं को जागरूक करें। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय सदैव किसानों व कर्मचारियों के हित के लिए समर्पित है। कोरोना महामारी के दौरान भी अपना दायित्व समझते हुए अब तक विश्वविद्यालय कैंपस और बाहरी केंद्रों पर कुल 26 वैक्सीनेशन कैम्प आयोजित किए जा चुके हैं।

महिलाओं व युवाओं की भागीदारी सराहनीय : डॉ. रामनिवास

विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रामनिवास ने बताया कि कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर पर वैक्सीनेशन कैंप व जांच शिविर का आयोजन सामान्य अस्तपाल व प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चुली बागडि ?ान के सहयोग से किया गया। इस दौरान 18 से 44 आयुवर्ग व 45 वर्ष से अधिक आयुवर्ग के लोगों के कोरोना की जांच व टीकाकरण किया गया। इस दौरान महिलाओं व युवाओं की भागीदारी सराहनीय रही। केंद्र के इंचार्ज डॉ. नरेंद्र कुमार ने बताया कि आसपास के गांवों के किसानों, महिलाओं व युवाओं को इस बारे में लगातार जागरूक किया जा रहा है। कैंप के दौरान सामाजिक दूरी, मास्क व सेनेटाइजेशन का विशेष ध्यान रखा गया। इस अवसर पर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चुली बागडि ?ान के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. कर्ण, चीफ टैक्नीकल ऑफिसर दलीप सिंह, सूचना सहायक राजेश कुमार, एएनएम आशा वर्मा, नीलम, मुकेश, विक्रम आदि मौजूद थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	04.06.21	---	

अब तक 26 वैक्सीनेशन कैंप आयोजित करवा चुका हकृवि

हिसार/04 जून/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय सहित प्रदेश के प्रत्येक जिले में स्थापित अनुसंधान एवं कृषि विज्ञान केंद्रों पर मैगा वैक्सीनेशन कैम्प लगातार जारी है। कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर में आयोजित कैंप में स्वयं कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने बतौर मुख्यातिथि उपस्थित होकर जायजा लिया। इस दौरान कोरोना जांच शिविर भी लगाया गया। कुलपति ने इस दौरान ग्रामीणों का हालचाल पूछने के बाद कहा कि इस वैश्विक महामारी के दौरान लोगों को ज्यादा से ज्यादा टीकाकरण करवाना चाहिए। साथ ही केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का जैसे दो गज की दूरी, मास्क व सैनेटाईजेशन का विशेष ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने कृषि विज्ञान केंद्र के स्टाफ सदस्यों से आह्वान किया कि वे टीकाकरण के लिए उनके क्षेत्र के ज्यादा से ज्यादा किसानों, युवाओं व महिलाओं को जागरूक करें। कुलपति काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय सदैव

किसानों व कर्मचारियों के हित के लिए समर्पित है। कोरोना महामारी के दौरान भी अपना दायित्व समझते हुए अब तक विश्वविद्यालय कैंपस और बाहरी केंद्रों पर कुल 26 वैक्सीनेशन कैम्प आयोजित किए जा चुके हैं। इनमें सभी कृषि विज्ञान एवं अनुसंधान केंद्रों के इंचार्जों की ओर से केंद्र द्वारा गोद लिए गए नजदीकी गांवों के किसानों व केंद्र के कर्मचारियों को वैक्सीन लगाई गई है। साथ ही ज्यादा से ज्यादा किसानों को वैक्सीन लगवाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रामनिवास ने बताया कि वैक्सीनेशन कैंप व जांच शिविर का आयोजन सामान्य अस्तपाल व प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चुली बागड़ियान के सहयोग से किया गया। इस दौरान 18 से 44 वर्ष आयु वर्ग व 45 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के लोगों के कोरोना की जांच व टीकाकरण किया गया। इस अवसर पर डॉ. कर्ण, दलीप सिंह, राजेश कुमार, आशा वर्मा, नीलम, मुकेश, विक्रम आदि मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	5.6.21	2	3

उन्नत किस्मों के विकास के साथ जल संरक्षण व खरपतवार प्रबंधन समय की मांग : वीसी

वैज्ञानिकों से बातचीत करते वीसी।

हिसार | एचएयू के वीसी प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने कहा कि वर्तमान समय की भौगोलिक परिस्थितियों और जलवायु परिवर्तन को ध्यान में रखते हुए वैज्ञानिक जल संरक्षण और खरपतवार प्रबंधन पर विशेष ध्यान दें। साथ ही विभिन्न फसलों की पैदावार बढ़ाने के लिए किसान हितैषी आधुनिक तकनीकों का विकास करें। वे विश्वविद्यालय के आनुवंशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के दलहन अनुभाग के अनुसंधान क्षेत्र का दौरा करने के बाद वैज्ञानिकों से रूबरू हो रहे थे। वीसी प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने बताया कि एचएयू में भारत के मूंग-प्रजनन के प्रमुख केंद्रों में से एक केंद्र है, जिसे मूंग की उच्च उपज देने वाली किस्मों के विकास में उत्कृष्ट योगदान के लिए सर्वश्रेष्ठ केंद्र का पुरस्कार मिल चुका है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	**06.06.2021**	--	--

समस्त हरियाणा — बुधवार, 2 जून, 2021

छोटी जोत से भी ज्यादा आमदनी ले सकते हैं किसान : प्रो. काम्बोज

एचएयू के कुलपति ने कृषि विज्ञान केंद्रों की मासिक समीक्षा बैठक में दिए निर्देश

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि सभी कृषि विज्ञान केंद्रों पर समन्वित कृषि प्रणाली मॉडल इकाई स्थापित कर किसानों को इसके प्रति जागरूक किया जाएगा। इससे छोटी से छोटी जोत से भी किसान अधिक आमदनी हासिल कर सकते हैं। इसके अलावा किसान कृषि विविधिकरण की अधिक से अधिक जानकारी हासिल कर उन्हें अपने खेत पर अपना सकेंगे।

वे ऑनलाइन माध्यम से विश्वविद्यालय के सभी कृषि विज्ञान केंद्रों के इंचार्जों की मासिक समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि किसानों को फसल अवशेष प्रबंधन के बारे में भी जागरूक करने और जरूरत पड़ने पर उन्हें इससे संबंधित मशीनरी भी मुहैया करवाने का आह्वान किया। विश्वविद्यालय द्वारा जारी समग्र सिफारिशों को अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचाया जाना चाहिए ताकि किसान ज्यादा से ज्यादा लाभान्वित हो सकें। कुलपति ने कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा किसान हित के लिए चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं को अधिक से अधिक प्रचारित करें।

कुलपति ने बैठक के दौरान निर्देश दिए कि प्रत्येक कृषि विज्ञान केंद्र पर जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किए जाने चाहिए। इसमें प्रत्येक जिले के खण्ड स्तर पर प्रत्येक गांव से कम से कम दो-दो प्रगतिशील किसानों को शामिल किया जाएगा। इ विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रामनिवास ढाण्डा ने इस समीक्षा बैठक में मुख्यातिथि व अन्य प्रतिभागियों का स्वागत किया और कुलपति द्वारा दिए गए दिशा-निर्देशों को क्रियान्वित करने का आश्वासन दिया। समीक्षा बैठक में विभिन्न कृषि विज्ञान केंद्रों के इंचार्जों ने तैयार की गई रिपोर्ट प्रस्तुत। समापन अवसर पर उन्होंने मुख्यातिथि व सभी प्रतिभागियों का धन्यावाद किया।

हरियाणा के अस्तित्व में आने के बाद कृषि उपज में हुई आठ गुणा बढ़ोतरी

कुलपति ने कहा कि हरियाणा प्रदेश के अस्तित्व में आने के बाद कृषि उपज को बढ़ाने में कृषि विज्ञान केंद्रों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। यही कारण है कि वर्ष 2019-20 तक कृषि उपज में लगभग आठ गुणा की बढ़ोतरी हुई है। विश्वविद्यालय की विस्तार कार्यप्रणाली बहुत ही मजबूत है, यही कारण है कि कोरोना महामारी के चलते भी निदेशक अटारी जोधपुर व विस्तार शिक्षा निदेशालय द्वारा दिए गए लक्ष्य को समय पर पूरा किया है। साथ ही लगातार किसानों के संपर्क में रहते हुए फसलों के संबंध में हर प्रकार की समस्याओं का समाधान किया गया है। विश्वविद्यालय के विस्तार वैज्ञानिकों की सराहना करते हुए कहा कि भविष्य में भी वे विश्वविद्यालय द्वारा विकसित तकनीकों एवं विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों की जानकारी किसानों तक ज्यादा से ज्यादा पहुंचाएं ताकि किसानों का भला हो सके।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	**06.06.2021**	--	--

समस्त हरियाणा | बुधवार, 2 जून, 2021

छोटी जोत से भी ज्यादा आमदनी ले सकते हैं किसान : प्रो. काम्बोज

एचएयू के कुलपति ने कृषि विज्ञान केंद्रों की मासिक समीक्षा बैठक में दिए निर्देश

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि सभी कृषि विज्ञान केंद्रों पर समन्वित कृषि प्रणाली मॉडल इकाई स्थापित कर किसानों को इसके प्रति जागरूक किया जाएगा। इससे छोटी से छोटी जोत से भी किसान अधिक आमदनी हासिल कर सकते हैं। इसके अलावा किसान कृषि विविधिकरण की अधिक से अधिक जानकारी हासिल कर उन्हें अपने खेत पर अपना सकेंगे।

वे ऑनलाइन माध्यम से विश्वविद्यालय के सभी कृषि विज्ञान केंद्रों के इंचार्जों की मासिक समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि किसानों को फसल अवशेष प्रबंधन के बारे में भी जागरूक करने और जरूरत पडने पर उन्हें इससे संबंधित मशीनरी भी मुहैया करवाने का आह्वान किया। विश्वविद्यालय द्वारा जारी समग्र सिफारिशों को अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचाया जाना चाहिए, ताकि किसान ज्यादा से ज्यादा लाभान्वित हो सकें। कुलपति ने कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा किसान हित के लिए चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं को अधिक से अधिक प्रचारित करें।

कुलपति ने बैठक के दौरान निर्देश दिए कि प्रत्येक कृषि विज्ञान केंद्र पर जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किए जाने चाहिए। इसमें प्रत्येक जिले के खण्ड स्तर पर प्रत्येक गांव से कम से कम दो-दो प्रगतिशील किसानों को शामिल किया जाएगा। इ विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रामनिवास ढाण्डा ने इस समीक्षा बैठक में मुख्यातिथि व अन्य प्रतिभागियों का स्वागत किया और कुलपति द्वारा दिए गए दिशा-निर्देशों को क्रियान्वित करने का आश्वासन दिया। समीक्षा बैठक में विभिन्न कृषि विज्ञान केंद्रों के इंचार्जों ने तैयार की गई रिपोर्ट प्रस्तुत। समापन अवसर पर उन्होंने मुख्यातिथि व सभी प्रतिभागियों का धन्यावाद किया।

हरियाणा के अस्तित्व में आने के बाद कृषि उपज में हुई आठ गुणा बढ़ोतरी

कुलपति ने कहा कि हरियाणा प्रदेश के अस्तित्व में आने के बाद कृषि उपज को बढ़ाने में कृषि विज्ञान केंद्रों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। यही कारण है कि वर्ष 2019-20 तक कृषि उपज में लगभग आठ गुणा की बढ़ोतरी हुई है। विश्वविद्यालय की विस्तार कार्यप्रणाली बहुत ही मजबूत है, यही कारण है कि कोरोना महामारी के चलते भी निदेशक अटारी जोधपुर व विस्तार शिक्षा निदेशालय द्वारा दिए गए लक्ष्य को समय पर पूरा किया है। साथ ही लगातार किसानों के संपर्क में रहते हुए फसलों के संबंध में हर प्रकार की समस्याओं का समाधान किया गया है। विश्वविद्यालय के विस्तार वैज्ञानिकों की सराहना करते हुए कहा कि भविष्य में भी वे विश्वविद्यालय द्वारा विकसित तकनीकों एवं विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों की जानकारी किसानों तक ज्यादा से ज्यादा पहुंचाएं ताकि किसानों का भला हो सके।